

# राजस्थान पत्रिका

www.rajasthanpatrika.com

September 25, 2018

Date : 25.09.2018, Page No: 5  
पत्रिका सिटीजन Rajasthan Patrika

## स्टेला मैरिस कॉलेज में हुआ अनुभूति-2018 समारोह अनुभूतियों एवं भावनाओं से जुड़ा साहित्य ही श्रेष्ठ

चेन्नई, कैथेड्रल रोड स्थित स्टेला मैरिस कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा सोमवार को अनुभूति-2018 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की पूर्व कुलसचिव एवं तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी की अध्यक्ष डॉ. निर्मला एस. मोर्य थीं।

समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जैसे तो हर विषय का अपना साहित्य होता है लेकिन अनुभूतियों एवं भावनाओं से जुड़ा साहित्य ही सर्वश्रेष्ठ साहित्य होता है। उन्होंने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि आज का कार्यक्रम हृदय और बुद्धि दोनों का सुंदर संगम है और आज के दौर में इस तरह के आयोजनों की काफी जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद मद्रास विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. पी. सरस्वती ने कहा कि भाषा का संस्कृति के साथ सीधा संबंध होता है। ऐसे में इस तरह के आयोजन भाषा के साथ-साथ संस्कृति के विकास में भी काफी सहायक होते हैं। महाविद्यालय की उपप्रधानाचार्य डॉ. के. एच. रजनी ने हिंदी विभाग



अनुभूति-2018 के उद्घाटन सत्र के दौरान मंचासीन मुख्य अतिथि डॉ. निर्मला एस. मोर्य, विशिष्ट अतिथि डॉ. पी. सरस्वती, हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्रावणी भट्टाचार्य, अनुभूति क्लब की सलाहकार डॉ. ए. फातिमा एवं अन्य पदाधिकारी व छात्राएं।

द्वारा पिछले एक साल के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए हिंदी के विकास के लिए विभाग द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। स्वागत भाषण हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्रावणी भट्टाचार्य तथा अनुभूति क्लब की सलाहकार एवं हिंदी की सहायक प्रोफेसर डॉ. ए. फातिमा ने क्लब का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह के दौरान चैनल

सर्फिंग, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग, समूह नृत्य, फैशन वॉक समेत कई अंतरमहाविद्यालयी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

ओवरऑल ट्रॉफी डीजी वैष्णव कॉलेज के नाम रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनुभूति क्लब की अध्यक्ष प्रेरणा भंडारी, उपाध्यक्ष मुस्कान गुनेचा एवं चांदनी, सांस्कृतिक सचिव श्रद्धा सुंदर व

भाविका बरड़िया एवं कोषाध्यक्ष स्वाति और वशिका बोथरा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान वहां तमिल एवं भाषा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. एलिस जोसफ एवं द्वितीय पाली की उपप्रधानाचार्य डॉ. फ्रांसिस्को भी मौजूद थीं। धन्यवाद ज्ञापन अनुभूति की सदस्य स्वाति ने किया।